सुमिरन करलो | By Satyajit Jain

सुमिरन कर लो सुमिरन कर लो।।
सुमिरन कर लो महामंत्र को.....
सुमिरन कर लो महामंत्र नवकार लो।।
सुमिरन कर लो महामंत्र नवकार लो।।
कोई जनम मरण छूट जासी.....
सुमिरन कर लो महामंत्र नवकार लो
कोई जनम मरण छूट जासी.....
सुमिरन कर लो महामंत्र नवकार लो।।
सुमिरन कर लो महामंत्र नवकार लो।।

माया ममता ने छोडो मत धर्म से मुखडो मोड़ो
अर्हन्त के नाम भजो सदा दुखडो सुख बन जासी
कोई जनम मरण छूट जासी.....
सुमिरन कर लो सुमिरन कर लो
महामंत्र नवकार लो
सुमिरन कर लो कर लो सुमिरन कर लो।।
महामंत्र को.....

सुमिरन कर लो कर लो सुमिरन कर लो।।
सुमिरन कर लो कर लो सुमिरन कर लो।।
महामंत्र को.....

सेठ सुदर्शन ध्यायो सूली पे ध्यान लगायो
सेठ सुदर्शन ध्यायो सूली पे ध्यान लगायो
अरिहंत के नाम जपो सूली सिंहासन बन जासी
कोई जनम मरण छूट जासी.....
सुमिरन कर लो कर लो सुमिरन कर लो।।
सुमिरन कर लो सुमिरन कर लो।।
महामंत्र नवकार लो.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%b2%e0%a5%8b-by-satyajit-jain/